राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम
Choice Based Credit Systerm (CBCS)
सत्र 2018–19 से लागू

Sub. Code	Credit
E1- 101	3
Class room Teaching Period	**Total Teaching Period**
3	108

Class : B.A./बी.ए. प्रथम वर्ष
Subject : हिन्दी साहित्य
Paper : I[st]
Title of paper : प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य (Pracheen evam madhyakaleen kavya)

Max. Marks : नियमित = 80

स्वाध्यायी = 100

मिड टर्म/ आन्तरिक मूल्यांकन+ उपस्थिति	एण्ड टर्म मूल्यांकन प्रतिशत अंक	स्वाध्यायी एवं टोटल अंक प्रतिशत	उत्तीर्णांक न्यूनतम अंक प्रतिशत
15+05	**80**	**100**	**33**

Particulars/विवरण

इकाई एक	कबीर, सूरदास, तुलसीदास, बिहारी, घनानन्द, भूषण– निर्धारित अंशो से व्याख्या
इकाई दो	भक्तिकाल एवं रीतिकाल की पृष्ठभूमि, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, धाराएँ एवं विशेषताएँ
इकाई तीन	कबीर, सूर और तुलसी पर समीक्षात्मक प्रश्न
इकाई चार	बिहारी, घनानन्द और भूषण पर समीक्षात्मक प्रश्न
इकाई पाँच	द्रुत पाठ के कवि अमीर खुसरो, विद्यापति, जायसी, मीरा, रसखान, केशव, पद्माकर (व्यक्तित्व एवं कृतित्व)
नोट–	द्रुत पाठ के कवियों पर लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

पाठ्यांश–

1. **कबीरदास**– सम्पादक– डॉ. श्यामसुन्दरदास– काशी नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
   गुरूदेव को अंग, पिरह को अंग, ग्यान बिरह को अंग प्रत्येक से प्रारंभिक 5–5 साखी एवं प्रारंभिक 5 पद
2. **सूरदास**– सम्पादक– डॉ. धीरेन्द्र वर्मा।
   उद्धव संदेश– कुल 15 पद क्रम संख्या 9, 10, 15, 21, 22, 26, 27, 29, 52, 53, 62, 82, 95, 101 एवं 120
3. **तुलसीदास**– (प्रकाशक– गीता प्रेस गोरखपुर)
   विनय पत्रिका एवं कवितावली से प्रारंभिक 5–5 पद
   अध्योध्या कांड (रामचरितमानस) दोहा क्रमांक 117 से 121 तक
4. **बिहारी**– बिहारी रत्नाकर– सम्पादक– जगन्नाथ दास रत्नाकरः (भक्ति, नीति, प्रकृति, श्रंगार, विरह के 5–5 दोहे) दोहा संख्या– 1, 5, 6, 7, 8, 11, 14, 16, 18, 19, 21, 25, 28, 31, 32, 35, 37, 38, 41, 51, = कुल 20 दोहे
5. **घनानन्द**– सं. डॉ. रामचन्द्र तिवारी एवं डॉ. रामफेर त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी (15 सवैये) 2, 3, 4, 6, 8, 9, 10, 11, 12, 14, 15, 17, 19, 20, 22 = कुल 15 पद
6. **भूषण** – रीति काव्यधारा– सं. डॉ. रामचंद्र तिवारी एवं डॉ. रामफेर त्रिपाठी विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी चयनित 14 कवित्त
   कवित्त
   वन्दना– 1, 2
   शिवाजी प्रशस्ति– 9, 10, 11, 12, 15, 17, 20
   छत्रसाल प्रशस्ति– 22, 23, 26, 32, 34

द्रुत पाठ–

(1) अमीर खुसरो
(2) विद्यापति
(3) जायसी
(4) मीरा
(5) रसखान
(6) केशव
(7) पद्माकर

अंक विभाजन –

सैद्धांतिक मूल्यांकन नियमित विद्यार्थियों के लिये कुल अंक – 80 अंक + आंतरिक मूल्यांकन 20 अंक

(05 उपस्थिति + 15 लिखित) = कुल 100 अंक

खण्ड–अ– एक वस्तुनिष्ठ (02–02 अंक के कुल 10 प्रश्न)	–	10 X 2 =	20
खण्ड–ब– चार लघु उत्तरीय (05–05 अंक के कुल 04 प्रश्न)	–	04 X 05 =	20
खण्ड–स– (अ) दो दीर्घ उत्तरीय (10–10 अंकों के कुल 02 प्रश्न)–		02 X 10 =	20
(ब) व्याख्या– (05–05 अंकों की चार व्याख्याऐं)	–	04 X 05 =	20

स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिये कुल अंक – 100 (इनका आंतरिक मूल्यांकन नहीं होगा)

खण्ड–अ– एक वस्तुनिष्ठ (02–02 अंक के कुल 10 प्रश्न)	–	10 X 2 =	20
खण्ड–ब– चार लघु उत्तरीय (05–05 अंक के कुल 04 प्रश्न)	–	04 X 05 =	20
खण्ड–स– (अ) दो दीर्घ उत्तरीय (15–15 अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)–		02 X 15 =	30
(ब) व्याख्या– (10–10 अंकों की 03 व्याख्याऐं)–		03 X 10 =	30

निर्धारित पाठ्यपुस्तकः– प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल से प्रकाशित।

टीपः– दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तरीय प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ पूछे जायेंगे।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम
Choice Based Credit Systerm (CBCS)

Sub. Code	Credit
E1- 102	3
Class room Teaching Period	**Total Teaching Period**
3	108

Class : B.A./बी.ए. प्रथम वर्ष
Subject : हिन्दी साहित्य
Paper : II_{nd}
Title of paper : हिन्दी कथा साहित्य (Hindi Katha Sahitya)
Max. Marks : नियमित = 80

स्वाध्यायी = 100

मिड टर्म/ आन्तरिक मूल्यांकन+ उपस्थिति	एण्ड टर्म मूल्यांकन प्रतिशत अंक	स्वाध्यायी एवं टोटल अंक प्रतिशत	उत्तीर्णांक न्यूनतम अंक प्रतिशत
15+05	**80**	**100**	**33**

Particulars/विवरण

इकाई एक	गबन– प्रेमचन्द अथवा आपका बंटी–मन्नू भण्डारी
इकाई दो	हिन्दी उपन्यास एवं कहानी का उद्भव, विकास एवं प्रवृत्तियाँ
इकाई तीन	''गबन'' अथवा ''आपका बंटी'' पर समीक्षात्मक प्रश्न
इकाई चार	निर्धारित कहानियों पर समीक्षात्मक प्रश्न
इकाई पाँच	द्रुत पाठ– अमृतलाल नागर, यशपाल, धर्मवीर भारती, कृष्णा सोबती, मालती जोशी, मीनाक्षी स्वामी
नोट–	द्रुत पाठ के कवियों पर लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

7. **उपन्यास**– गबन–प्रेमचंद अथवा आपका बंटी–मन्नू भण्डारी
8. **हिन्दी कथा साहित्य –**
   1. गुण्डा– जयशंकर प्रसाद
   2. कफन– प्रेमचंद
   3. अपना–अपना भाग्य– जैनेन्द्र कुमार
   4. तीसरी कसम उर्फ मारे गये गुलफाम– फणीश्वरनाथ रेणू
   5. चीफ की दावत– भीष्म साहनी
   6. दोपहर का भोजन– अमरकांत
   7. रीछ– दूधनाथ सिंह
   8. ढाई बीघा जमीन– मृदुला सिन्हा

द्रुत पाठ– अमृतलाल नागर, यशपाल, धर्मवीर भारती, कृष्णा सोबती, मालती जोशी तथा मीनाक्षी स्वामी।

प्रश्न–पत्र की पद्धति शासन के मान्य स्वरूप के अनुसार होगी। अंकों का विभाजन भी शासन के मान्य स्वरूप के अनुसार होगा। द्रुत पाठ के कहानीकारों पर लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

अंक विभाजन –

सैद्धांतिक मूल्यांकन नियमित विद्यार्थियों के लिये कुल अंक – 80 अंक + आंतरिक मूल्यांकन 20 अंक

(05 उपस्थिति + 15 लिखित) = कुल 100 अंक

खण्ड–अ– एक वस्तुनिष्ठ (02–02 अंक के कुल 10 प्रश्न)	–	10 X 2 =	20
खण्ड–ब– चार लघु उत्तरीय (05–05 अंक के कुल 04 प्रश्न)	–	04 X 05 =	20
खण्ड–स– (अ) दो दीर्घ उत्तरीय (10–10 अंकें के कुल 02 प्रश्न)–		02 X 10 =	20
(ब) व्याख्या– (05–05 अंकों की चार व्याख्याऐं)	–	04 X 05 =	20

स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिये कुल अंक – 100 (इनका आंतरिक मूल्यांकन नहीं होगा)

खण्ड–अ– एक वस्तुनिष्ठ (02–02 अंक के कुल 10 प्रश्न)	–	10 X 2 =	20
खण्ड–ब– चार लघु उत्तरीय (05–05 अंक के कुल 04 प्रश्न)	–	04 X 05 =	20
खण्ड–स– (अ) दो दीर्घ उत्तरीय (15–15 अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)–		02 X 15 =	30
(ब) व्याख्या– (10–10 अंकों की 03 व्याख्याऐं)–		03 X 10 =	30

निर्धारित पाठ्यपुस्तक : हिन्दी कथा साहित्य मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल से प्रकाशित।

टीपः– दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तरीय प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ पूछे जायेंगे।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम
Choice Based Credit Systerm (CBCS)

Sub. Code	Credit
E1- 203	3
Class room Teaching Period	**Total Teaching Period**
3	108

Class : B.A./बी.ए. द्वितीय वर्ष
Subject : हिन्दी साहित्य
Paper : I[st]
Title of paper : अर्वाचीन हिन्दी काव्य (Arvacheen Hindi Kabya)
Max. Marks : नियमित = 80

स्वाध्यायी = 100

मिड टर्म/ आन्तरिक मूल्यांक+ उपस्थिति	एण्ड टर्म मूल्यांकन प्रतिशत अंक	स्वाध्यायी एवं टोटल अंक प्रतिशत	उत्तीर्णांक न्यूनतम अंक प्रतिशत
15+05	**80**	**100**	**33**

Particulars/विवरण

इकाई–1 निर्धारित कविः मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, निराला, माखनलाल चतुर्वेदी, महादेवी वर्मा अज्ञेय तथा मुक्तिबोध की रचनाओं से तीन व्याख्यांश

मैथिलीशरण गुप्त

1. सखि वे मुझसे कहकर जाते (यशोधरा से)
2. दोनों ओर प्रेम पलता है (साकेत से)

जयशंकर प्रसाद

1. बीती विभावरी जाग री
2. शेर सिंह का शस्त्र समर्पण

सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला

1. जागो फिर एक बार
2. तोड़ती पत्थर

माखनलाल चतुर्वेदी

1. कैदी और कोकिला
2. हिमकिरीटिनी

महादेवी वर्मा

1. मै नीर भरी दुख की बदली
2. बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ।

स.ही.वा. आज्ञेय

1. कलगी बाजरे की
2. बावरा अहेरी

मुक्तिबोध

1. सहर्ष स्वीकारा है
2. भूल गलती

इकाई–2 मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद एवं निराला से एक समीक्षात्मक प्रश्न।

इकाई–3 माखनलाल चतुर्वेदी, महादेवी वर्मा, अज्ञेय एवं मुक्तिबोध से एक समीक्षात्मक प्रश्न।

इकाई–4 आधुनिक युग की काव्य प्रवृत्तियाँः भारतेन्दु युग, राष्ट्रीय काव्यधारा, छायावाद और छायावादोत्तर काव्यः प्रगतिवाद एवं नई कविता।

इकाई–5 द्रुतपाठ– भारतेन्दु हरिशचंद, भवानी प्रसाद मिश्र, रघुवीर सहाय, श्री नरेश मेहता और दुष्यन्त कुमार

अंक विभाजन –

सैद्धांतिक मूल्यांकन नियमित विद्यार्थियों के लिये कुल अंक – 80 अंक + आंतरिक मूल्यांकन 20 अंक

(05 उपस्थिति + 15 लिखित) = कुल 100 अंक

खण्ड–अ– एक वस्तुनिष्ठ (02–02 अंक के कुल 10 प्रश्न)	–	10 X 2 =	20
खण्ड–ब– चार लघु उत्तरीय (05–05 अंक के कुल 04 प्रश्न)	–	04 X 05 =	20
खण्ड–स– (अ) दो दीर्घ उत्तरीय (10–10 अंकों के कुल 02 प्रश्न)–		02 X 10 =	20
(ब) व्याख्या– (05–05 अंकों की चार व्याख्याऐं)	–	04 X 05 =	20

स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिये कुल अंक – 100 (इनका आंतरिक मूल्यांकन नहीं होगा)

खण्ड–अ– एक वस्तुनिष्ठ (02–02 अंक के कुल 10 प्रश्न)	–	10 X 2 =	20
खण्ड–ब– चार लघु उत्तरीय (05–05 अंक के कुल 04 प्रश्न)	–	04 X 05 =	20
खण्ड–स– (अ) दो दीर्घ उत्तरीय (15–15 अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)–		02 X 15 =	30
(ब) व्याख्या– (10–10 अंकों की 03 व्याख्याऐं)–		03 X 10 =	30

निर्धारित पाठ्यपुस्तकः– आर्वाचीन हिन्दी काव्य मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल से प्रकाशित।

टीपः– दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तरीय प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ पूछे जायेंगे।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम
Choice Based Credit Systerm (CBCS)

Sub. Code	Credit
E1- 204	3
Class room Teaching Period	**Total Teaching Period**
3	108

Class : B.A./बी.ए. द्वितीय वर्ष
Subject : हिन्दी साहित्य
Paper : II[nd]
Title of paper : हिन्दी भाषा– साहित्य का इतिहास और काव्यांग विवेचन
(Hindi Bhasha- Sahitya ka Itihas aur kavyang Vivechan)
Max. Marks : नियमित = 80
स्वाध्यायी = 100

मिड टर्म/ आन्तरिक मूल्यांक+ उपस्थिति	एण्ड टर्म मूल्यांकन प्रतिशत अंक	स्वाध्यायी एवं टोटल अंक प्रतिशत	उत्तीर्णांक न्यूनतम अंक प्रतिशत
15+05	**80**	**100**	**33**

Particulars/विवरण

इकाई–1 हिन्दी भाषा की उत्पत्ति, हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ, विभिन्न भाषाओं का विकास। हिन्दी भाषा के विविध रूप– बोलचाल की भाषा, राष्ट्र भाषा, राज भाषा, सम्पर्क भाषा।

इकाई–2 हिन्दी शब्द भण्डार, हिन्दी का शब्द स्रोत– तत्सम, तद्भव, देशज एवं विदेशी शब्दावली, तत्सम और तद्भव का अंतर, पारिभाषिक शब्दावली।
हिन्दी के प्रमुख व्याकरणाचार्य– कामता प्रसाद गुरू एवं किशोरी दास वाजपेयी का अवदान।

इकाई–3 हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन एवं काल विभाजन : आदिकाल, पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की प्रवृत्तियाँ

इकाई–4 आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य का विकास– भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद युग छायावादोत्तर युगीन नाटक एवं अन्य गद्य विधाएँ।

इकाई–5 **काव्यांग विवेचन–** रस और उसके भेद
प्रमुख छन्द– दोहा, सोरठा, चौपाई, रोला और हरिगीतिका।
प्रमुख अलंकार– अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, भ्रान्तिमान और सन्देह

अंक विभाजन –

सैद्धांतिक मूल्यांकन नियमित विद्यार्थियों के लिये कुल अंक – 80 अंक + आंतरिक मूल्यांकन 20 अंक

(05 उपस्थिति + 15 लिखित) = कुल 100 अंक

खण्ड–अ– एक वस्तुनिष्ठ (02–02 अंक के कुल 10 प्रश्न)	–	10 X 2 =	20
खण्ड–ब– चार लघु उत्तरीय (05–05 अंक के कुल 04 प्रश्न)	–	04 X 05 =	20
खण्ड–स– (अ) दो दीर्घ उत्तरीय (10–10 अंकों के कुल 02 प्रश्न)–		02 X 10 =	20
(ब) टिप्पणी – (05–05 अंकों की चार टिप्पणियां)	–	04 X 05 =	20

स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिये कुल अंक – 100 (इनका आंतरिक मूल्यांकन नहीं होगा)

खण्ड–अ– एक वस्तुनिष्ठ (02–02 अंक के कुल 10 प्रश्न)	–	10 X 2 =	20
खण्ड–ब– चार लघु उत्तरीय (05–05 अंक के कुल 04 प्रश्न)	–	04 X 05 =	20
खण्ड–स– (अ) दो दीर्घ उत्तरीय (15–15 अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)–		02 X 15 =	30
(ब) टिप्पणी– (10–10 अंकों की 03 टिप्पणियाँ)–		03 X 10 =	30

टीपः– दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तरीय प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ पूछे जायेंगे।

निर्धारित पुस्तकः हिन्दी भाषा– साहित्य का इतिहास एवं काव्यांग विवेचन– म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल से प्रकाशित।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम
Choice Based Credit Systerm (CBCS)

Sub. Code	Credit
E1- 305	3
Class room Teaching Period	**Total Teaching Period**
3	108

Class : B.A./बी.ए. तृतीय वर्ष
Subject : हिन्दी साहित्य
Paper : I[st]
Title of paper : प्रयोजनमूलक हिन्दी (Prayojanmoolak Hindi)
Max. Marks : नियमित = 80
स्वाध्यायी = 100

मिड टर्म/ आन्तरिक मूल्यांक+ उपस्थिति	एण्ड टर्म मूल्यांकन प्रतिशत अंक	स्वाध्यायी एवं टोटल अंक प्रतिशत	उत्तीर्णांक न्यूनतम अंक प्रतिशत
15+05	**80**	**100**	**33**

Particulars/विवरण

इकाई–1 प्रयोजन मूलक, हिन्दी एवं भाषा कम्प्यूटिंग : आशय एवं स्वरूप, कामकाजी हिन्दी से तात्पर्य एवं विविध रूप। कम्प्यूटर : परिचय एवं रूपरेखा, वर्ड प्रोसेसिंग (एम.एस. वर्ड डाटा प्रोसेसिंग), यूनिकोड, हिन्दी के अधुनातन साफ्टवेयर टूल।

इकाई–2 पत्राचारः कार्यालयीन पत्र, एवं व्यावसायिक पत्र। प्रारूपण, टिप्पण, संक्षेपण, पल्लवन।

इकाई–3 अनुवादः स्वरूप एवं प्रक्रिया, कार्यालयी, वैज्ञानिक, तकनीकी, वाणिज्यिक, विविध, आशु अनुवाद तथा पारिभाषिक शब्दावली।

इकाई–4 पत्रकारिताः स्वरूप एवं समाचार लेखन। प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पृष्ठ–सज्जा एवं प्रस्तुतिकरण, पटकथा लेखन एवं फीचर लेखन।

इकाई–5 प्रमुख संचार माध्यमः रेडियो, टीवी, फिल्म, वीडियो तथा इंटरनेट। संचार माध्यमों की लेखन प्रविधि, ई–मेल।

अंक विभाजन –

सैद्धांतिक मूल्यांकन नियमित विद्यार्थियों के लिये कुल अंक – 80 अंक + आंतरिक मूल्यांकन 20 अंक

(05 उपस्थिति + 15 लिखित) = कुल 100 अंक

खण्ड–अ– एक वस्तुनिष्ठ (02–02 अंक के कुल 10 प्रश्न)	–	10 X 2 =	20
खण्ड–ब– चार लघु उत्तरीय (05–05 अंक के कुल 04 प्रश्न)	–	04 X 05 =	20
खण्ड–स– (अ) दो दीर्घ उत्तरीय (10–10 अंकों के कुल 02 प्रश्न)–		02 X 10 =	20
(ब) टिप्पणी– (05–05 अंकों की चार टिप्पणियाँ)	–	04 X 05 =	20

स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिये कुल अंक – 100 (इनका आंतरिक मूल्यांकन नहीं होगा)

खण्ड–अ– एक वस्तुनिष्ठ (02–02 अंक के कुल 10 प्रश्न)	–	10 X 2 =	20
खण्ड–ब– चार लघु उत्तरीय (05–05 अंक के कुल 04 प्रश्न)	–	04 X 05 =	20
खण्ड–स– (अ) दो दीर्घ उत्तरीय (15–15 अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)–		02 X 15 =	30
(ब) टिप्पणी – (10–10 अंकों की 03 टिप्पणियां)–		03 X 10 =	30

टीपः– दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तरीय प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ पूछे जायेंगे।

निर्धारित पुस्तकः (1) ''प्रयोजनमूलक हिन्दी म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल से प्रकाशित।

(2) प्रो. त्रिभुवननाथ शुक्ल– हिन्दी कम्प्यूटिंग, विकास प्रकाशन, कानपुर।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम
Choice Based Credit Systerm (CBCS))

Sub. Code	Credit
E1- 306	3
Class room Teaching Period	**Total Teaching Period**
3	108

Class : B.A./बी.ए. तृतीय वर्ष
Subject : हिन्दी साहित्य
Paper : II[nd]

Title of paper : हिन्दी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य–विधाएँ एवं बुन्देली भाषा– साहित्य
(Hindi Natak, Nibandh Tatha Sphut Gadya Vidhayen Evam Bundeli Bhasha)

Max. Marks : नियमित = 80
स्वाध्यायी = 100

मिड टर्म/ आन्तरिक मूल्यांक+ उपस्थिति	एण्ड टर्म मूल्यांकन प्रतिशत अंक	स्वाध्यायी एवं टोटल अंक प्रतिशत	उत्तीर्णांक न्यूनतम अंक प्रतिशत
15+05	**80**	**100**	**33**

Particulars/विवरण

इकाई–1 व्याख्यांशः 'अंधेर नगरी' अथवा 'ध्रुवस्वामिनी' और 'एकांकी'
दीपदानः डॉ. रामकुमार वर्मा, वापसीः विष्णु प्रभाकर,
निबंधः 'करूणा': पं. रामचन्द्र शुक्ल, नाखुन क्यों बढ़ते हैं– हजारी प्रसाद द्विवेदी
नाटक– उत्तिष्ठ भारतः त्रिभुवननाथ शुक्ल (आरंभ के दो दृश्य)

'ईसुरी जगनिक', :माधव शुक्ल मनोज' एवं संतोष सिंह बुन्देला का निर्धारित रचनाओं से व्याख्या।

इकाई–2 'अंधेर नगरी' अथवा 'ध्रुवस्वामिनी' और निर्धारित एंकांकी तथा निर्धारित निबंधों से आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–3 नाटक एवं एकांकी का इतिहास एवं प्रवृत्तियाँ। हिन्दी गद्य विधाओं का उद्भव और विकास। (निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, यात्रा वृतान्त)

इकाई–4 पठित कवियों पर आलोचनात्मक प्रश्न सहित बुन्देली भाषा और उसकी उपबोलियों का परिचय, इतिहास तथा सीमा क्षेत्र।

इकाई–5 द्रुत पाठ– लक्ष्मीनारायण मिश्र, डॉ. लक्ष्मी नारायण लाल, मोहन राकेश, भारतेन्दु हरिशचन्द्र, सुरेश शुक्ल, ''चन्द्र'', बाबू गुलाब राय, महादेवी वर्मा, गोरे लाल, गंगाधर व्यास, पं. भैयालाल व्यास एवं डॉ. दुर्गेश दीक्षित पर केन्द्रित लघु उत्तरीय प्रश्न।

अंक विभाजन –

सैद्धांतिक मूल्यांकन नियमित विद्यार्थियों के लिये कुल अंक – 80 अंक + आंतरिक मूल्यांकन 20 अंक

(05 उपस्थिति + 15 लिखित) = कुल 100 अंक

खण्ड–अ– एक वस्तुनिष्ठ (02–02 अंक के कुल 10 प्रश्न)	–	10 X 2 =	20
खण्ड–ब– चार लघु उत्तरीय (05–05 अंक के कुल 04 प्रश्न)	–	04 X 05 =	20
खण्ड–स– (अ) दो दीर्घ उत्तरीय (10–10 अंकें के कुल 02 प्रश्न)–		02 X 10 =	20
(ब) व्याख्या– (05–05 अंकों की चार व्याख्याऐं)	–	04 X 05 =	20

स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिये कुल अंक – 100 (इनका आंतरिक मूल्यांकन नहीं होगा)

खण्ड–अ– एक वस्तुनिष्ठ (02–02 अंक के कुल 10 प्रश्न)	–	10 X 2 =	20
खण्ड–ब– चार लघु उत्तरीय (05–05 अंकों के कुल 04 प्रश्न)	–	04 X 05 =	20
खण्ड–स– (अ) दो दीर्घ उत्तरीय (15–15 अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)–		02 X 15 =	30
(ब) व्याख्या– (10–10 अंकों की 03 व्याख्याऐं)–		03 X 10 =	30

टीपः– दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तरीय प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ पूछे जायेंगे।

निर्धारित पुस्तकः ''हिन्दी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य– विद्याएँ एवं बुन्देली भाषा–साहित्य'' म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल से प्रकाशित।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम
Choice Based Credit Systerm (CBCS)

Sub. Code	Credit
E1- 306	3
Class room Teaching Period	**Total Teaching Period**
3	108

Class : B.A./बी.ए. तृतीय वर्ष
Subject : हिन्दी साहित्य– वैकल्पिक प्रश्न पत्र (ब)
Paper : II[nd]

Title of paper : हिन्दी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य–विधाएँ एवं बघेली भाषा– साहित्य
(Hindi Natak, Nibandh Tatha Sphut Gadya Vidhayen Evam Bagheli Bhasha)

Max. Marks : नियमित = 80
स्वाध्यायी = 100

मिड टर्म/ आन्तरिक मूल्यांक+ उपस्थिति	एण्ड टर्म मूल्यांकन प्रतिशत अंक	स्वाध्यायी एवं टोटल अंक प्रतिशत	उत्तीर्णांक न्यूनतम अंक प्रतिशत
15+05	**80**	**100**	**33**

Particulars/विवरण

इकाई–1 व्याख्यांशः 'अंधेर नगरी' अथवा 'ध्रुवस्वामिनी' और 'एकांकी'
दीपदानः डॉ. रामकुमार वर्मा, वापसीः विष्णु प्रभाकर,
निबंधः 'करूणा': पं. रामचन्द्र शुक्ल, नाखुन क्यों बढ़ते हैं– हजारी प्रसाद द्विवेदी
नाटक– उत्तिष्ठ भारतः त्रिभुवननाथ शुक्ल (आरंभ के दो दृश्य)

'सैफुद्दीन सिद्दकी सैफू, अमोल बटरोही एवं 'शिवशंकर मिश्र ''सरस'' की निर्धारित रचनाओं से व्याख्या।

इकाई–2 'अंधेर नगरी' अथवा 'ध्रुवस्वामिनी' और निर्धारित एंकांकी तथा निर्धारित निबंधों से आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–3 नाटक एवं एकांकी का इतिहास एवं प्रवृत्तियाँ। हिन्दी गद्य विधाओं का उद्भव और विकास। (निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, यात्रा वृतान्त)

इकाई–4 पठित कवियों पर आलोचनात्मक प्रश्न सहित बघेली भाषा और उसकी उपबोलियों का परिचय, इतिहास तथा सीमा क्षेत्र।

इकाई–5 द्रुप पाठ– लक्ष्मीनारायण मिश्र, डॉ. लक्ष्मी नारायण लाल, मोहन राकेश, भारतेन्दु हरिशचन्द्र, सुरेश शुक्ल, ''चन्द्र'', बाबू गुलाब राय, महादेवी वर्मा, रामनाथ प्रधान, बाबूलाल दहिया, मैथिलिशरण शुक्ल ''मैथिली'' एवं सुदामा शरद पर केन्द्रित लघु उत्तरीय प्रश्न।

अंक विभाजन –

सैद्धांतिक मूल्यांकन नियमित विद्यार्थियों के लिये कुल अंक – 80 अंक + आंतरिक मूल्यांकन 20 अंक

(05 उपस्थिति + 15 लिखित) = कुल 100 अंक

खण्ड–अ– एक वस्तुनिष्ठ (02–02 अंक के कुल 10 प्रश्न)	–	10 X 2 =	20
खण्ड–ब– चार लघु उत्तरीय (05–05 अंक के कुल 04 प्रश्न)	–	04 X 05 =	20
खण्ड–स– (अ) दो दीर्घ उत्तरीय (10–10 अंकों के कुल 02 प्रश्न)–		02 X 10 =	20
(ब) व्याख्या– (05–05 अंकों की चार व्याख्याऐं)	–	04 X 05 =	20

स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिये कुल अंक – 100 (इनका आंतरिक मूल्यांकन नहीं होगा)

खण्ड–अ– एक वस्तुनिष्ठ (02–02 अंक के कुल 10 प्रश्न)	–	10 X 2 =	20
खण्ड–ब– चार लघु उत्तरीय (05–05 अंक के कुल 04 प्रश्न)	–	04 X 05 =	20
खण्ड–स– (अ) दो दीर्घ उत्तरीय (15–15 अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)–		02 X 15 =	30
(ब) व्याख्या– (10–10 अंकों की 03 व्याख्याऐं)–		03 X 10 =	30

नोटः– निर्धारित पाठ्यपुस्तक हिन्दी भाषा और नैतिक मूल्य मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल से प्रकाशित।

टीपः– दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तरीय प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ पूछे जायेंगे।

निर्धारित पुस्तकः ''हिन्दी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य– विद्याएँ एवं बुन्देली भाषा–साहित्य'' म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल से प्रकाशित।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पद्धति अनुसार पाठ्यक्रम

Choice Based Credit Systerm (CBCS)

Class : B.A./बी.ए. तृतीय वर्ष

Subject : हिन्दी साहित्य– वैकल्पिक प्रश्न पत्र (स)

Paper : II[nd]

Title of paper : हिन्दी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य–विधाएँ एवं मालवी भाषा–साहित्य

(Hindi Natak, Nibandh Tatha Sphut Gadya Vidhayen Evam Malavi Bhasha)

Max. Marks : नियमित = 80

स्वाध्यायी = 100

Sub. Code	Credit
E1- 306	3
Class room Teaching Period	**Total Teaching Period**
3	108

मिड टर्म/ आन्तरिक मूल्यांक+ उपस्थिति	एण्ड टर्म मूल्यांकन प्रतिशत अंक	स्वाध्यायी एवं टोटल अंक प्रतिशत	उत्तीर्णांक न्यूनतम अंक प्रतिशत
15+05	**80**	**100**	**33**

Particulars/विवरण

इकाई–1 व्याख्यांशः 'अंधेर नगरी' अथवा 'ध्रुवस्वामिनी' और 'एकांकी'
दीपदानः डॉ. रामकुमार वर्मा, वापसीः विष्णु प्रभाकर,
निबंधः 'करूणा': पं. रामचन्द्र शुक्ल, नाखुन क्यों बढ़ते हैं– हजारी प्रसाद द्विवेदी
नाटक– उत्तिष्ठ भारतः त्रिभुवननाथ शुक्ल (आरंभ के दो दृश्य)

'संत पीपा, आनंदराव दुबे,

इकाई–2 'अंधेर नगरी' अथवा 'ध्रुवस्वामिनी' और निर्धारित एंकांकी तथा निर्धारित निबंधों से आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–3 नाटक एवं एकांकी का इतिहास एवं प्रवृत्तियाँ। हिन्दी गद्य विधाओं का उद्‌भव और विकास। (निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, यात्रा वृतान्त)

इकाई–4 पठित कवियों पर आलोचनात्मक प्रश्न सहित बघेली भाषा और उसकी उपबोलियों का परिचय, इतिहास तथा सीमा क्षेत्र।

इकाई–5 द्रुप पाठ– लक्ष्मीनारायण मिश्र, डॉ. लक्ष्मी नारायण लाल, मोहन राकेश, भारतेन्दु हरिशचन्द्र, सुरेश शुक्ल, ''चन्द्र'', बाबू गुलाब राय, महादेवी वर्मा, रामनाथ प्रधान, बाबूलाल दहिया, मैथिलिशरण शुक्ल ''मैथिली'' एवं सुदामा शरद पर केन्द्रित लघु उत्तरीय प्रश्न।

अंक विभाजन –

सैद्धांतिक मूल्यांकन नियमित विद्यार्थियों के लिये कुल अंक – 80 अंक + आंतरिक मूल्यांकन 20 अंक

(05 उपस्थिति + 15 लिखित) = कुल 100 अंक

खण्ड–अ– एक वस्तुनिष्ठ (02–02 अंक के कुल 10 प्रश्न)	–	10 X 2 =	20
खण्ड–ब– चार लघु उत्तरीय (05–05 अंक के कुल 04 प्रश्न)	–	04 X 05 =	20
खण्ड–स– (अ) दो दीर्घ उत्तरीय (10–10 अंकों के कुल 02 प्रश्न)–		02 X 10 =	20
(ब) व्याख्या– (05–05 अंकों की चार व्याख्याऐं)	–	04 X 05 =	20

स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिये कुल अंक – 100 (इनका आंतरिक मूल्यांकन नहीं होगा)

खण्ड–अ– एक वस्तुनिष्ठ (02–02 अंक के कुल 10 प्रश्न)	–	10 X 2 =	20
खण्ड–ब– चार लघु उत्तरीय (05–05 अंक के कुल 04 प्रश्न)	–	04 X 05 =	20
खण्ड–स– (अ) दो दीर्घ उत्तरीय (15–15 अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)–		02 X 15 =	30
(ब) व्याख्या– (10–10 अंकों की 03 व्याख्याऐं)–		03 X 10 =	30

नोटः– निर्धारित पाठ्यपुस्तक हिन्दी भाषा और नैतिक मूल्य मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल से प्रकाशित।

टीपः– दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तरीय प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ पूछे जायेंगे।

निर्धारित पुस्तकः ''हिन्दी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य– विद्याएँ एवं बुन्देली भाषा–साहित्य'' म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल से प्रकाशित।